हरिभूमि

हिसार-हांसी भूमि

रोहतक, सोमवार 8 जून 2026

10 नालों से सीवरेज में जाने वाले कचरे को...

10 योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर...

खबर संक्षेप

6.12 ग्राम हेरोइन सहित एक युवक गिरफ्तार

नारनौंद। सीआईए नारनौंद की टीम ने एक युवक को 6.12 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) सहित गिरफ्तार किया है। उसको कोर्ट में पेश करके एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। उप निरीक्षक धर्मवीर ने बताया कि सीआईए नारनौंद की टीम ने गश्त के दौरान सुलचानी निवासी प्रीतु को एवं अपराध रोकथाम ड्यूटी पर मौजूद थी। इसी दौरान सूचना मिली कि गांव सुलचानी निवासी प्रीतु को नशीला पदार्थ बेचने के लिए नारनौंद की तरफ आते समय काबू किया। तलाशी के दौरान उसकी की जेब से 6.12 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ व मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर आरोपित युवक प्रीतु के खिलाफ थाना नारनौंद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। उसको अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

रुपये डबल करने का झांसा दे नकदी हड़पने में 1 काबू

बरवाला। पुलिस ने पैसे दोगुने करने का झांसा देकर साढ़े तीन लाख रुपये ठगने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिरसा निवासी भूरा सिंह के रूप में हुई है। थाना प्रभारी कर्मजीत सिंह के अनुसार, लुधियाना निवासी रिंकू मेहन ने 10 सितंबर 2025 को शिकायत दी थी कि फेसबुक पर पैसे दोगुने करने का विज्ञापन देखकर वह हिसार पहुंचा था। आरोपियों ने उसे विश्वास में लेकर साढ़े तीन लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। पुलिस जांच में पहले जींद निवासी सुमेर गिरफ्तार हो चुका है। अब भूरा सिंह की गिरफ्तारी भी कर ली गई है।

साइबर ठगों से ₹7.62 लाख वापस दिलवाए

हिसार। साइबर क्राइम थाना में दर्ज एक मामले में पुलिस ने पीड़ित व्यक्ति को 7.62 लाख की ठगी गई राशि वापस दिलवाई है। मामले की जांच कर रहे उप निरीक्षक हरजिंदर सिंह एवं उनकी टीम ने संबंधित बैंकिंग संस्थानों व अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप पीड़ित की राशि वापस करवाने में सफलता प्राप्त हुई।

घर में घुसकर फोन-कैश चुराने का आरोपी दबोचा

हिसार। एचटीएम थाना पुलिस ने घर में घुसकर मोबाइल फोन एवं नकदी चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करके चोरी की नगदी बरामद की है। आरोपी की पहचान सूर्य नगर निवासी सागर के रूप में हुई है। एचटीएम थाना प्रभारी पीएसआई विकास लाठर ने बताया कि घर में घुसकर मोबाइल फोन एवं नकदी चोरी करने संबंधी शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। जांच करते हुए आरोपी सागर को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई नकदी राशि बरामद की गई है।

हांसी में डिलीवरी के बाद बिगड़ी हालत, हिसार लाते समय मौत

ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

25 वर्षीय महिला कोमल की डिलीवरी के बाद तबीयत बिगड़ने और हिसार रेफर किए जाने के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। महिला के भाई तरुण ने बताया कि लगभग 25 वर्षीय कोमल की शादी के छह साल बाद पहली डिलीवरी के कारण उसे हांसी के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया था। डॉक्टरों ने नॉर्मल डिलीवरी के बजाय सिजेरियन करने को कहा। शनिवार को ऑपरेशन के दौरान डॉक्टरों ने कोमल की एक नस काट दी, जिससे अधिक खून बहने लगा। जब स्थिति कंट्रोल नहीं हुई तो उसे हिसार के सिविल अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में रामायण टोल के पास कोमल ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बह रहा था खून, डॉक्टर बोले- घबराने की जरूरत नहीं, खून की कमी है; हिसार ले जाओ

गुस्साए परिजनों ने तोशाम चुंगी पर एम्बुलेंस खड़ी कर परिवार ने सड़क जाम लगा दिया। प्रदर्शनकारियों ने ईंट मारकर दो गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए, जिससे वाहन चालकों और प्रदर्शनकारियों के बीच कहासुनी भी हुई। सूचना मिलते ही डीएसपी विनोद शंकर, शहर थाना प्रभारी सुखजीत सिंह और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। आधे घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने जाम खुलवाया।

मृतका के पति सुभाष ने बताया कि कोमल को 5 जून को हांसी के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। कोमल को डॉक्टरों ने दो दिन भर्ती रखा। उसका ठीक से इलाज नहीं किया। शनिवार शाम को वह उससे मिलने वार्ड में गया तो वो दर्द से तड़प रही थी। उसने पांव दबाने को कहा। वह जब बिस्तर पर बैठा तो देखा पूरी चादर खून से सनी थी। रात साढ़े 9 बजे कोमल ने बेटी को जन्म दिया था। बेटी स्वस्थ है। डॉक्टरों ने गलत ऑपरेशन के कारण डिलीवरी के बाद ही कोमल की तबीयत खराब होनी शुरू हो गई। वह जाकर डॉक्टर को बुलाकर लाया तो उन्होंने कहा घबराने की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा खून की कमी है आप इन्हें हिसार ले जाओ। डॉक्टरों ने 6 से 7 इंजेक्शन लगाए और रेफर कर दिया, मगर हिसार लाते समय कोमल ने दम तोड़ दिया। परिजन बोले- यदि समय पर उचित उपचार मिलता तो कोमल की जान बचाई जा सकती थी। उसकी जेठानी रूबी बच्ची को गोद में उठाए फूट-फूटकर रोते हुए बोली कि शादी के 6 साल बाद मां बनने को लेकर कोमल बहुत उत्साहित थी। कहती थी बच्चे को पलकों में बैठाकर रखूंगी, लेकिन अब इसे कौन संभालेगा।

हिसार अस्पताल प्रशासन पर भी लापरवाही बरतने के जड़े आरोप

इधर, रविवार को पोस्टमॉर्टम से पहले परिजनों ने मॉर्च्युरी में रखे शव की स्थिति को लेकर भी नाराजगी जताई और अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही के आरोप लगाए। तरुण ने बताया कि शनिवार को शव हिसार के सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवा दिया गया। रविवार उसका पोस्टमॉर्टम होना था। जब सुबह वे मॉर्च्युरी पहुंचे तो डीप फ्रीजर के पास गिरगिट घूम रहे थे। इसके बाद जब कोमल के शव को फ्रीजर से बाहर निकाला तो उसके माथे की खाल किसी जानवर ने खा रखी थी। इसके बाद देखा कि पास में ही एक चूहा घूम रहा है। वह कुछ खा रहा था।

शहर में एसबीआई की एटीएम उखाड़ी और भिवानी रोहिल्ला में यूबीआई की एटीएम काटी

दो एटीएम से ₹8.67 लाख ले गए चोर

- पुलिस ने बनाईं चार टीमें, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी का दावा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

जिले में दो अलग अलग स्थानों पर एटीएम को निशाना बनाते हुए बदमाशों ने लाखों की चोरी कर डाली। बदमाशों ने हिसार की रेड स्क्वेयर मार्केट में स्थित एसबीआई के एटीएम व भिवानी रोहिल्ला स्थित यूनियन बैंक के एटीएम को निशाना बनाया।

यूनियन बैंक के इस एटीएम को दूसरी बार निशाना बनाया गया है। पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन शुरू कर दी है और चार पार्टियां गठित करके चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का मानना है कि प्रदेश में अंबाला व यमुनानगर क्षेत्र में भी इसी तरह की वारदात हुई है और यह वारदात किसी एक ही गिरोह की हो सकती है। मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने शनिवार देर रात रेड स्कवेयर मार्केट स्थित एसबीआई बैंक की एटीएम को निशाना बनाया। यहां से चोरों ने एटीएम उखाड़कर दो लाख से अधिक की नकदी चुरा ली। चोरी का पता रविवार सुबह चला।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की मदद से जांच शुरू की। मौके पर बैंक अधिकारियों को भी बुलाया गया, ताकि पता लगाया जा सके कि चोर कितनी राशि ले उड़े हैं। बैंक अधिकारियों ने बताया कि एटीएम में लगभग दो लाख की नकदी थी, जिसे चोर ले गए। शहर पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन आरंभ कर दी है।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शुरू की छानबीन

दूसरी वारदात भिवानी रोहिल्ला गांव में शनिवार देर रात हुई, जहां चोरों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम काट लिया। चोर मशीन से 6 लाख 67 हजार 400 रुपए की नकदी लेकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर बालसमंद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। बालसमंद-भादरा मुख्य मार्ग पर स्थित इस एटीएम को शनिवार शाम बैंक कर्मचारियों ने बंद किया था। देर रात करीब दो बजे के बाद अज्ञात चोरों ने एटीएम को निशाना बनाया, मशीन काटी और नकदी लेकर भाग गए। रविवार सुबह घटना का पता चलने पर बैंक अधिकारियों ने पुलिस को सूचित किया। बालसमंद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

चोरी में एक ही गैंग का हाथ होने का शक

पुलिस प्रवक्ता का कहना है कि दोनों मामलों में केस दर्ज कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अंबाला व यमुनानगर क्षेत्र में भी इस तरह की वारदातें हुई है। संभावना है कि यह सब एक ही गैंग का काम है। पुलिस ने चार टीमें लगा रखी है और आरोपी शीघ्र ही पुलिस गिरफ्त में होंगे।

एक्सपर्ट्स को मौके पर बुलाया गया

बालसमंद पुलिस चौकी प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों सहित अन्य जांच टीमों को भी बुलाया गया है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और आसपास के कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच की जा रही है।

पहले भी इसी एटीएम को बनाया था निशाना

भिवानी रोहिल्ला स्थित इसी यूनियन बैंक के एटीएम को वर्ष 2021 में भी चोरों ने निशाना बनाया था। उस समय बदमाशों ने गैस कटर का उपयोग कर एटीएम मशीन काटकर 3 लाख 82 हजार 700 रुपए चुराए थे। चोरों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की केबल भी काट दी थी।

खेड़ी चौपटा में महिलाओं पर पलटा टैंकर, एक की मौत, दूसरी घायल

परिजन बोले- नाबालिग चला रहा था टैंकर

हांसी। खेड़ी चौपटा गांव में हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई। खेत से लकड़ी लेने जा रही दोनों महिलाओं पर पानी का टैंकर पलटने से यह हादसा हुआ।

मृतका की पहचान खेड़ी जालब निवासी 45 वर्षीय सरोज के रूप में हुई है। पति की मौत के बाद सरोज मायके में अपनी मां के साथ रह रही थी। उनका एक बेटा है जो रंग-रोगन का काम करता है। हादसे में घायल 40 वर्षीय संध्या का हांसी के सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह हादसा रविवार सुबह खेड़ी चौपटा से बरवाला राजकीय विद्यालय के पास हुआ। दोनों महिलाएं लकड़ी लेने जा रही थीं, तभी पानी का टैंकर अनियंत्रित होकर उन पर पलट गया। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि पानी का टैंकर एक नाबालिग चला रहा था। टैंकर का संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही खेड़ी चौपटा पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां पुलिस ने परिजनों के बयान पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच आरंभ कर दी है।

हांसी। महिलाओं पर पलटा टैंकर।

डीसीएम मिल प्रबंधन से नाराज कर्मियों-मजदूरों ने लगाया जाम

- कहा-12 घंटे ड्यूटी लेकर 8 घंटे का दिया जा रहा वेतन, अन्य अनियमितताएं भी बताईं
- आश्वासन देकर जाम खुलवाया, पूरा न होने पर फिर आंदोलन की चेतावनी

हिसार। डीसीएम मिल प्रबंधन पर ज्यादा काम लेकर कम वेतन देने का आरोप लगाते हुए मिल के कर्मचारियों व मजदूरों ने रविवार को मिलगेट रोड जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शोषण का आरोप लगाया और कहा कि उनसे 12 घंटे तक ड्यूटी करवाई जाती है, लेकिन वेतन केवल 8 घंटे का दिया जाता है।

मिल प्रबंधन के खिलाफ मजदूरों में भारी रोष व्यक्त किया और नारेबाजी की। रोड जाम की सूचना मिलते ही एचटीएम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर उन्हें शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। काफी देर तक चले प्रदर्शन और हंगामे के कारण यातायात प्रभावित रहा। बाद में प्रशासन और मिल प्रबंधन की ओर से मांगों पर विचार करने का आश्वासन मिलने के बाद कर्मचारियों ने जाम खोल दिया।

प्रदर्शन में शामिल कर्मचारी सविता, उषा और अंजू ने बताया कि कर्मचारियों को उनका पूरा वेतन दिया जाए। उन्होंने मांग की कि सीएल (कैजुअल लीव) और पीएल (प्रिविलेज लीव) से जुड़ी शर्तों में सुधार किया जाए और 40 हाजिरी होने पर छुट्टियां रद्द करने की व्यवस्था समाप्त की जाए। इसके अलावा वर्ष में एक बार जूते, वर्दी और अन्य आवश्यक सामान उपलब्ध करवाने, पहले की तरह 26 हाजिरी पर मिलने वाले प्रोत्साहन पुरस्कार को दोबारा शुरू करने तथा 10 से 15 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को उच्च कुशल श्रेणी में शामिल करने की मांग भी उठाई गई। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का जल्द समाधान नहीं किया गया तो वे दोबारा आंदोलन करेंगे और जरूरत पड़ने पर फिर से रोड जाम किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की भारी तैनाती रही।

एएनसी स्टाफ ने की कार्रवाई, ट्रक चालक दबोचा

कोयले की बोरियों में छुपाकर ले जाई जा रही थी 550 किलोग्राम डोडापोस्त की खेप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल बड़ी सफलता हासिल करते हुए कोयले की बोरियों के बीच छुपाकर ले जाई जा रही 550 किलो 300 ग्राम डोडा पोस्त की भारी खेप बरामद की है। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। एएनसी प्रभारी उप निरीक्षक इन्द्र सिंह गोदारा ने बताया कि वे स्वंय अपनी टीम के साथ गश्त के दौरान आदमपुर क्षेत्र के गंव मोहब्बतपुर बस अड्डा के पास थे।

इसी दौरान सूचना मिली कि भादरा की तरफ से एक गाड़ी आदमपुर की तरफ आएगी, जिसमें कोयले की बोरियां भरी है और काले रंग का तिरपाल बंधा हुआ है। गाड़ी में कोयले की बोरियों के अलावा काफी मात्रा में चूरा पोस्त भी बीच में छुपाकर रखा गया है। सूचना के अनुसार यह गाड़ी भादरा से आदमपुर होते हुए भट्टू कलां जाएगी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए उन्होने अपनी टीम को सूचित करके मोडाखेड़ा नाका पर पहुंचकर नाकाबंदी शुरू की। थोडी देर में एक गाड़ी भादरा की तरफ से आती हुई दिखाई दी।

गाड़ी को रुकवाकर चालक से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम मेहूवाला निवासी रोहताश बताया। एएनसी प्रभारी इन्द्र सिंह गोदारा ने बताया कि ट्रक की तलाशी ली गई तो कोयले की बोरियों के बीच छुपाकर रखे गए 28 काले रंग के कट्टों में कुल 550 किलो 300 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। बरामद नशीले पदार्थ को कब्जे में लेकर ट्रक को भी जब्त कर लिया गया। प

रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने खुलोसा किया कि यह खेप राजस्थान से लाई गई थी तथा इस अवैध कारोबार में अन्य व्यक्तियों की भी संलिप्तता है। पुलिस ने आदमपुरु थाना में केस दर्ज कर लिया गया है तथा मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

P.M.C.R.I KURUKSHETRA

PINNACLE MEDICAL CENTRE & RESEARCH INSTITUTE

(Proposed Medical College & Hospital)

9th Milestone, Kaithal Road, Barna, Kurukshetra (Haryana)

APPLICATIONS INVITED

Applications are invited from eligible and experienced candidates for the following positions in the Proposed Medical College & Hospital

LEADERSHIP POSITIONS

Director	Medical Superintendent	Administrator / COO

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Tutor in the following departments:

PRE CLINICAL	PARA CLINICAL	
Anatomy	Pathology	Forensic Medicine
Physiology	Pharmacology	Community Medicine
Biochemistry	Microbiology	

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Senior Resident / Junior Resident in Clinical Departments

General Medicine	Pediatrics	Otorhinolaryngology (ENT)
General Surgery	Ophthalmology	Anesthesiology
Orthopedics	Radiology	Psychiatry
Obstetrics and Gynaecology	Dermatology	Dentistry

ADMINISTRATION, NURSING & CLINICAL STAFF

Hospital Administrator (MHA)	Anesthesia Technician
Nursing Superintendent	Radiology / X-Ray Technician
Nursing Matron	Operation Theatre (OT) Technician
Hospital Manager	Medical Laboratory Technician (MLT)
Front Office Executive	Optometry Technician
TPA & Ayushman Executive	General Duty Assistant (GDA)
Billing Executive / Assistant	Ward Boy
Nursing Staff (GNM / B.Sc. Nursing)	Blood Bank Technician

IT SUPPORT & MAINTENANCE STAFF

IT Manager	Estate Officer	AC Technician
System Engineer	Hospital Supervisor	Electrician
Website Web Developer	Office Clerk	Plumber
Graphics Designer	Computer Operator	Carpenter
Computer Lab Technician	Security Guard (Male/Female)	Painter
Computer Hardware and Networking	Aaya / Housekeeping Staff (Male/Female)	Welder
ERP Coordinator / Lab Attendant	Bus Driver	Gardener (Mali)

Interested candidate may send their detailed CV along with relevant documents to : Email: hr@pmcri.in

Job Location : Kurukshetra (Haryana)

M : 9996783003 Website : www.pmcri.in

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते हैं। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज है। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

सांस्कृतिक संवाहक है हरियाणा की धरती

सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए।

महिमा

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित हरियाणा की पावन धरा केवल एक भौगोलिक भू-भाग मात्र नहीं है, बल्कि यह सनातन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की आदि-संस्थापक है। वैदिक ऋचाओं के प्रथम गुंजन से लेकर महाभारत के महासंग्राम तक और योगेश्वर श्रीकृष्ण की अमर वाणी 'श्रीमद्भगवद्गीता' से लेकर आधुनिक युग के नवनिर्माण तक, इस माटी ने देश के इतिहास को केवल गति ही नहीं दी, बल्कि उसकी दिशा और दशा को भी तय किया है।

भारतीय संस्कृति के आदि-स्रोत 'ऋग्वेद' की ऋचाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी भूमि पर साक्षात अवतरित हुआ था। वैदिक काल में 'ब्रह्मावर्त' और 'ब्रह्मर्षि देश' के नाम से पूजित यह क्षेत्र देव-निर्मित माना गया। मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के सत्रहवें श्लोक का यह उद्घोष इसी पावन धरा की महिमा गाता है, जो पवित्र नदी सरस्वती और दृशद्वती के मध्य स्थित थी:

स्रवन्ती यत्र चक्रतुर्देवता निर्मितं नदौ।
तद्देवनिर्मितं देशं ब्रह्मावर्तं प्रचक्षते॥

आज भू-गर्भीय परिवर्तनों के कारण सरस्वती नदी भले ही विलीन हो चुकी हो, परंतु प्राचीन काल में यह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की अविरल वाहिका थी। इसी के तट पर बैठकर महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत ग्रंथ की रूपरेखा तैयार की और पुराणों को कलमबद्ध किया। वहीं दृशद्वती के किनारों पर गूंजने वाले वैदिक यज्ञों के मंत्रों ने भारत की यज्ञ-संस्कृति और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता के भाव को सुदृढ़ किया। इस ऋषिकुल परंपरा को जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों के तराजू पर तौलते हैं तो हिसार का राखीगढ़ी अपनी विशालता के साथ सामने आता है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए। वैदिक काल की यह ज्ञान-परंपरा जब उत्तर-वैदिक और महाकाव्य काल में प्रवेश करती है तो हरियाणा का 'कुरुक्षेत्र' पूरे आर्यावर्त का वैचारिक और आध्यात्मिक केंद्र बनकर उभरता है। महाभारत का युद्ध भूमि के एक टुकड़े के लिए लड़ा गया महज दो परिवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि वह न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म के बीच उपजा एक वैश्विक वैचारिक महामंथन था। इसी 'धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' की ऐतिहासिक माटी पर ज्योतिसर नामक स्थान पर जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्यविमुख होने लगे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो पावन उपदेश दिया, वह 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में युगों-युगों के लिए अमर हो गया। महाभारत के वनपर्व के अंतर्गत कुरुक्षेत्र महात्म्य में इस भूमि की पावनता को याद करते हुए यहां तक कहा गया है:

ततो गच्छेत् राजेन्द्र कुरुक्षेत्रं समन्ततः।
पांसवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदाहृताः।
अपि दुष्कृतकर्माणं नयन्ति परमां गतिम्॥

अर्थात कुरुक्षेत्र की उड़ती हुई धूल भी यदि वायु के झोंके से किसी पापी को छू जाए तो उसे परम गति की ओर ले जाती है। आत्मा की अमरता का दर्शन व्यक्ति को काल के भय से मुक्त करता है, तो समत्व का भाव समाज में समरसता, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की मजबूत नींव रखता है। हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए यहाँ के सीधे-सरल रहन-सहन, खान-पान और अनूठी जीवन-शैली को देखना आवश्यक है।

यह एक ऐसी संस्कृति है जो सादगी और पौरुष के मजबूत स्तंभों पर टिकी है। यहाँ का समाज मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन से जुड़ा रहा है, जिसका सीधा प्रभाव यहाँ की दिनचर्या पर दिखाई देता है। यहाँ की 'चौपाल' केवल एक बैठने की जगह नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण लोकतंत्र, न्याय और भाईचारे की एक जीवंत संस्था रही है, जहाँ बड़े-से-बड़े सामाजिक फैसले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसी सादगी और शुद्धता का प्रतिबिंब यहाँ के खान-पान में भी झलकता है। हरियाणा के इस सीधे-सरल, समृद्ध और सात्विक वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा गया है:

देशां में देश हरियाणा, जीत दूध-दही का खाणा।

यह पंक्ति यहां की केवल खान-पान की आदत को नहीं, बल्कि उस संपन्न और निश्छल ग्रामीण जीवन-दर्शन को दर्शाती है, जहाँ दूध, दही, छाछ, घर का निकाला हुआ मक्खन और चूल्हे की तपी हुई बाजरे या गेहूं की रोटियां मुख्य आहार हैं। 'खांड-बूरा' और 'लस्सी' से होने वाला अतिथि सत्कार यहाँ के लोगों के बड़े और उदार दिल का परिचय देता है। इस धरा की पारम्परिक वेशभूषा और आभूषण भी यहाँ की लोक-संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं। पुरुषों का परिधान जहाँ उनकी मर्यादा और पौरुष का प्रतीक है, वहीं महिलाओं की वेशभूषा यहाँ के लोक-जीवन के चटकीले रंगों को समेटे हुए है। इस अनूठे रहन-सहन और पहनावे को जो तत्व सबसे अधिक जीवंत और मुखर बनाता है, वह है यहाँ की 'बोली'। हरियाणवी बोली को अक्सर लोग दूर से देखने पर खड़ी या कड़क मान लेते हैं, लेकिन इसके भीतर जो अपनापन, हाजिरजवाबी और निश्छल हास्य छुपा है, वह अद्भुत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निडरता और स्पष्टवादिता है। हरियाणवी जनमानस जो दिल में रखता है, वही जुबान पर लाता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपनी इसी जीवन-पद्धति, बोली, लोक-कलाओं और नैतिक मूल्यों के प्रति अगाध निष्ठा है। इस मोर्चे पर हरियाणा के लोक-साहित्य और 'सांग' व 'रागनी' परंपरा ने अद्भुत कार्य किया है। यहाँ के लोक-कलाकारों ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि ग्रामीण अंचलों में समाज-सुधार, राष्ट्र-प्रेम और नैतिक चेतना की अलख जगाई। सांग परंपरा के सिरमौर दीपचंद बामण ने जहाँ प्रथम विश्वयुद्ध के संक्रमण काल में अपनी कला से युवाओं के भीतर राष्ट्र-रक्षा का जज्बा फूंका, वहीं हरियाणा के सूर्यकवि पंडित लखमीचंद ने वेदों, उपनिषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को अपनी सरल लोक-वाणी में ढालकर गाँव-गाँव के आम जनमानस तक पहुँचा दिया। उनकी रागनियों में बहने वाली गुरु-महिमा, सदाचार और अध्यात्म की रसधार ने समाज को बिखरने से बचाया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनेक मनीषियों ने अपनी सुरीली और गंभीर लेखनी से ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और दार्शनिक चेतना को जीवित रखा। भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी द्वार पर स्थित होने के कारण, हरियाणा को सदैव विदेशी आक्रांताओं के पहले प्रहार को झेलना पड़ा था। खैबर और बोलन दर्रों को पार कर दिल्ली की सल्तनत पर आँख गड़ाने वाले हर हमलावर का रास्ता हरियाणा के मैदानों से ही होकर गुजरता था। यही कारण है कि यहाँ का इतिहास निरंतर संघर्षों, शौर्य-गाथाओं और बलिदानों का गवाह रहा है। तराइन के मैदान में पृथ्वीराज चौहान का विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेना हो या पानीपत की तीन ऐतिहासिक लड़ाइयाँ, इस माटी ने बार-बार भारत के भाग्य के फैसले होते देखे हैं। विशेषकर पानीपत के तीसरे युद्ध में, जब अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ भारत की संप्रभुता को बचाने के लिए मराठे उत्तर भारत की ओर बढ़े तो हरियाणा के स्थानीय जनमानस ने रोटी और शरण देकर उनका साथ दिया। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रखर रूप सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिला, जब अंबाला छावनी से उठी क्रांति की चिंगारी ने पूरे हरियाणा को अपनी चपेट में ले लिया। रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, झज्जर के नवाब अब्दुल रहमान खान और बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह जैसे नायकों ने मजहब और जाति की दीवारें ढहाकर फिरंगियों के खिलाफ साझा मोर्चा खोला। नसीबपुर (नारनौल) के मैदान में हजारों हरियाणवी वीरों का अपनी माटी और देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर देना इस बात का अमिट प्रमाण है कि यह संस्कृति गुलामी की जंजीरों को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। 1 नवंबर 1966 को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित होने के बाद हरियाणा ने प्रगति और परंपरा का एक ऐसा अनूठा समन्वय पेश किया है] जो पूरे देश के लिए मिसाल है। देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद, हरियाणा आज देश के केंद्रीय अन्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 'जय जवान, जय किसान' के नारे को पूरी तरह चरितार्थ करते हुए जहाँ इस राज्य का हर दूसरा परिवार देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी बनकर खड़ा है, वहीं खेल के मैदानों में भी हरियाणा ने वैश्विक पटल पर भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है।

आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस तीव्र गति वाले डिजिटल और वैश्विक युग में, जहाँ आधुनिकता की चकाचौंध में कई संस्कृतियाँ अपनी पहचान खो रही हैं, हरियाणा के सामने भी अपनी मूल भाषाई शुद्धता और लोक-परंपराओं को अक्षुण्य रखने की एक बड़ी चुनौती है। आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रागिनी

सत्यवीर नाहड़िया

दूध-दही घी आळे चरचे

दूध-दही घी आळे चरचे, हरियाणा में खोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कदे उड़ै पंजाब घणा था,उड़ता इब हरियाणा।
गाम-गळी अर नगर-डगर म्हं,हुया नसे का छाणा।
पाउच-पुड़िया पीणा-खाणा,बीज बिघन के बोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू दास नसे के होग्ये।।

एक बखत का यो हरियाणा, था दूध-दही का प्याल्ला।
ब्या-ठिच्चे पै ल्हुक-छिप कोये, घेट करै था आल्ला।
नयी प्योध का न्यारा माल्ला,झूम नसे म्हं सोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा नास की जड़ हो सै न्यूँ,म्हारे बड़े बतावैं।
नसे-जाळ म्हं जो रै फँस ज्याँ,सहज छूट ना पावैं।
कोय भूल कै ना फँस ज्यावैं,अंत टेम न्यूँ रोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा मिटावण खात्यर आओ,मिलकै अलख जगावां।
जाग्गां दिखे जगावां सभनै,अपणा देस बचावां।
कह 'नाहड़िया' फरज निभावां, क्यूँ इज्जत वो धोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कविता

राजपाल सिंह गुलिया

आच्छी नहीं लड़ाई

रोज-रोज थम लड़ो भिड़ो सौ ,याह तै आच्छी बात नहीं ,
बाताँ तैं ए बात बणैगी , बात याह वाहियात नहीं .

घणी कुभद आच्छी ना हो, फल देर सवेर मिल ज्यागा,
शेर बणया हाँडै एक दिन, तनै सवा सेर मिल ज्यागा.
प्रेम- प्यार का भाव इसा हो, देखै जो औकात नहीं.

तोड़ बात का हो बाताँ तैं , यह आच्छी नहीं लड़ाई ,
बैरा ना किस पै जाकै याह , उतरै किसकी करड़ाई .
आँधी हो सै गोळी लोगो, करती कती दुभात नहीं.

झोट्टे - झोट्टे लड़ैं उड़ै इन , झाड़ाँ का ए खो हो सै.
मारे जाँ सैं लोग सहम ये ,किस मुखिया का के हो सै.
समझदार हो माणस तै हरगिज , होता उत्पात नहीं.

देख लड़ाई म्हं देसाँ के, किसे सींग से फँसरे सैं,
माल मरे का चाहैं सारे , कती लोभ म्हँ धँसरे सैं.
हुए बिचौले 'गुलिया' वो भी ,जिनकी जात जमात नहीं.

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आचरण

खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे युवा

लोक संस्कृति में बढ़ता बाजारीकरण

मंथन

सरिता

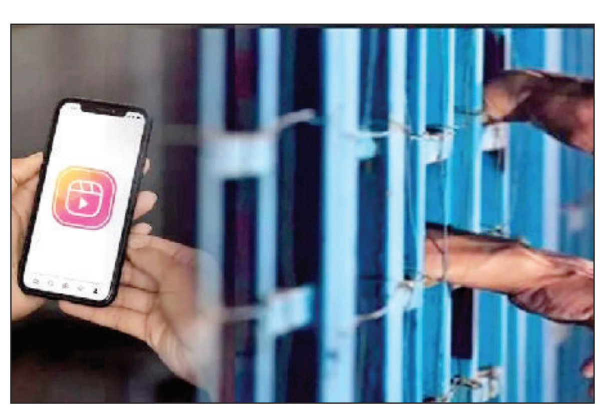

हरियाणा की इस ऐतिहासिक धरती का इतिहास भी अपनी अनूठी संस्कृति की वजह से बहुत समृद्ध रहा है। यहाँ के खेतों की खुशबू, चौपालों की रौनक और हमारे बुजुर्ग कलाकारों की तान ने हमेशा पूरे समाज को आपस में जोड़कर रखा है। लेकिन आज के डिजिटल दौर में, जहाँ हर तरफ इंटरनेट और सोशल मीडिया का असर है, हरियाणा का यह ताना-बाना एक बड़े संकट से घिर गया है। जिस लोक संस्कृति का मकसद लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज को अच्छी सीख देना था, आज वह बाजार के लालच और अश्लीलता की भेंट चढ़ती जा रही है।

यूट्यूब और इंस्टाग्राम रील्स पर व्यूज और लाइक्स पाने की इस होड़ ने हमारी संस्कृति की मूल भावना को बहुत ठेस पहुँचाई है। हरियाणा की लोक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी थीं। यहाँ की सांग परंपरा केवल टाइमपास का साधन नहीं थी। यह खुली चौपालों में होने वाला एक ऐसा नाटक था जो लोगों को सच, ईमानदारी और त्याग का रास्ता दिखाता था। इसी तरह रागनियों से जीवन के गहरे सच और सामाजिकता से परिचय होता था। हमारे अपने वीरों के किस्से युवाओं में देशप्रेम और आपसी भाईचारे का जोश भरते थे और भजनों के जरिए समाज की बुराइयों पर चोट की जाती थी। जब से सबके हाथ में स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट आया है, चीजें बहुत बदल गई हैं। इसने जानकारी तो सब तक पहुँचाई, लेकिन साथ ही हमारी संस्कृति में एक तरह का प्रदूषण भी फैला दिया है। यूट्यूब और रील्स के इस दौर ने लोक संस्कृति को रातों-रात बाजार में बिकने वाला सामान बना दिया है। आज कोई गाना या कला कितनी अच्छी है, यह इस बात से तय नहीं होता कि उसमें कितनी गहरी बात कही गई है, बल्कि इस बात से तय होता है कि वह कितनी जल्दी इंटरनेट पर वायरल हो सकती है। इस चक्कर में जो कलाकार सचमुच अच्छा और साफ-सुथरा काम करना चाहते हैं, उन्हें लोग भूलते जा रहे हैं, जबकि सनसनी फैलाने वाले या भड़काऊ चीजें परोसने वाले लोग रातों-रात स्टार बन रहे हैं। पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ ने हमारी संस्कृति के असली चेहरे को बिगाड़ दिया है। आजकल के हरियाणवी गानों और वीडियो में अश्लीलता का बढ़ना सबसे चिंता की बात है। पारंपरिक सादगी को छोड़कर अब गानों में सिर्फ दिखावे और अंग-प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोहरे अर्थ वाले शब्द और भद्दे इशारों वाले ये गाने आज शादियों, पार्टियों और गाड़ियों में आम बजते सुनाई देते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज में इस तरह की अश्लीलता को एक सामान्य बात माना जाने लगा है, जो कि बहुत खतरनाक है। इसके साथ ही गानों में बंदूकों, हथियारों और बदमाशी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का एक नया चलन शुरू हो गया है। आज के ज्यादातर मशहूर गानों में नायक को कानून तोड़ते, हथियार लहराते और लड़ाई-झगड़ा करते दिखाया जाता है। बदमाशी, रौब जमाना या जेल जाने को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे यही असली नायक हो। यह बात सीधे तौर पर हमारी कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुँचाती है और कम उम्र के बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर डाल रही है। इससे युवाओं में गुस्सा और अपराध की भावना बढ़ रही है। एक और दुखद बात यह है कि हरियाणा का समाज हमेशा से 'छत्तीस बिरादरी' के भाईचारे के लिए जाना जाता था, जहाँ सांग देखने के लिए हर वर्ग के लोग एक साथ चौपाल पर बैठते थे। लेकिन आज के गानों और सोशल मीडिया ने इस आपसी भाईचारे को भी चोट पहुँचाई है। अब खास जातियों के नाम पर गाने बनाए जा रहे हैं, जिनमें खुद की जाति को सबसे ऊपर और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश होती है। ऐसे गाने युवाओं के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और दूरी पैदा कर रहे हैं। इन गानों के नीचे इंटरनेट पर लोग एक-दूसरे को गालियाँ देते नजर आते हैं, जो हमारे शांतिपूर्ण समाज के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। ये चीजें उन्हें नशे और गलत संगति की तरफ भी धकेल रही हैं। ऐसी चिंतनीय स्थिति में हमें मिलकर कुछ जमीनी और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आज अपनी वास्तविक परम्पराओं को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं के बीच रखना होगा ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि हमारी असल संस्कृति क्या है। नफरत और अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे पुराने वाद्य यंत्रों को दोबारा जगह मिलनी चाहिए और साफ-सुथरी रागनी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे फोन पर क्या देख और सुन रहे हैं।

हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

बदलाव और आधुनिकता से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों को भूलकर तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता। हमें अपने बच्चों को दोबारा चौपाल की संस्कृति और बुजुर्गों की सीख से जोड़ना होगा। अगर आज हमने बाजार की चकाचौंध में अपनी इस विरासत को खो दिया, तो हम अपनी पहचान खो देंगे।

अभिनय क्षेत्र में निष्ठा व समर्पण के साथ करें कार्य : राम नारायण

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

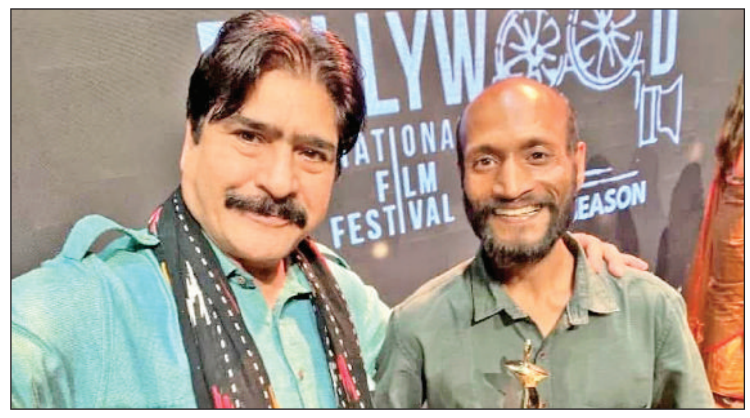

संघर्षों की आग में तपकर ही कलाकार अपनी वास्तविक पहचान बनाता है। हरियाणा की सांस्कृतिक धरती से निकलकर रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज़ तक का सफर तय करने वाले राम नारायण ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर अभिनय जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

उनका जीवन संघर्ष, कला और निरंतर सीख की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करता है। रंगमंच से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले राम नारायण ने समय के साथ फिल्म और डिजिटल माध्यमों में भी अपनी सशक्त पहचान स्थापित की। उन्होंने दूरदर्शन के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर आधारित एक फिल्म तथा इग्नू के नर्सिंग कोर्स पर डॉक्यूमेंट्री में काम किया। उन्होंने राजू पंजाबी के लोकप्रिय गीत 'हरियाणा तो बदल गया' के साथ-साथ 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित), काण्ड 2010, बवाल, कोहरा-2 और वादा जैसी परियोजनाओं में अपने प्रभावशाली अभिनय का प्रदर्शन किया है। उनके अभिनय की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है और उनकी आगामी फिल्मों मोमाकु तथा कांडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हिसार शहर में जन्मे राम नारायण चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के आर्थिक हालात इनके अनुकूल न रहे। यही कारण है कि रंगमंच को करियर बनाने पर उन्हें परिवार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, फिर भी उन्होंने संघर्षों और अभावों के बीच अपने अभिनय सफर को जारी रखा। कई बार उन्हें यह कहकर बिना पारिश्रमिक काम कराया गया कि बजट नहीं है, जबकि अन्य लोगों को भुगतान किया जाता था। इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि कलाकार को अपनी मेहनत और कला का सम्मान करते हुए अपने काम का उचित मूल्य अवश्य लेना चाहिए। अपने थियेटर के प्रति गहरे जुड़ाव के संदर्भ में राम नारायण बताते हैं कि कक्षा 3 में उन्हें पहली बार मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला और कक्षा 6 से 10 तक वे संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। कॉलेज के दौरान रंगमंच के प्रति उनकी रुचि और बढ़ी तथा बी.ए. के दूसरे वर्ष से उन्होंने निर्देशन और नाट्य गतिविधियों की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दीं। बाद में उन्होंने छह वर्षों तक संस्कृत नाटकों का निर्देशन किया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा महोत्सवों में नाटिका, माइम एवं स्किट प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाई। राम नारायण ने स्टेज ऐप की 'कांड 2010' तथा और सुपवा के साथ 'चूल्हा न्यौंद' में काम किया है। मुंबई में कांड 2010 वेब सीरीज़ के लिए अवार्ड मिलने पर राम नारायण बताते हैं कि जब 'काण्ड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर) का पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत खुशी का था। इसके अलावा इन्हें 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित) के लिए अमेरिका के एक फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आपके अभिनय जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कांड 2010 वेबसीरीज़ में अपने किरदार और अनुभव के बारे में राम नारायण बताते हैं कि वर्ष 2010 में निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा काण्ड में जगदीश के चरित्र के लिए चुना जाना उनके लिए बेहद भावुक और यादगार क्षण था। हालांकि वे पहले भी कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुके थे, लेकिन जगदीश का चरित्र अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि और गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के कारण उनके लिए विशेष रहा। कैमरे के सामने और रंगमच पर अभिनय की दृष्टि से वह बड़ा अंतर मानते हैं। उनके अनुसार कैमरे के सामने काम करने का एक लाभ यह है कि आपको दृश्य दोबारा करने का अवसर मिल जाता है, लेकिन रंगमंच में ऐसा नहीं होता। यदि कोई त्रुटि रह जाए, तो उसे अगले शो में ही सुधारा जा सकता है, और अगला शो कब मिलेगा, यह निश्चित नहीं होता। हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यशपाल शर्मा ने दादा लखमी फिल्म बनाकर इसी विचार को आगे बढ़ाकर सफलतापूर्वक साकार किया। उभरते नए युवा कलाकारों के लिए राम नारायण संदेश देते हैं कि आपने इस क्षेत्र को चुना है, तो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। समय की पाबंदी रखें। जो देर से आए, उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसने एक अवसर खो दिया है।

हरियाणा में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

खबर संक्षेप

अग्रसेन परिवार समिति ने छबील लगाई

हिसार। अग्रसेन परिवार समिति की ओर से रविवार को पड़ाव चौक पर शरबत की छबील लगाई गई। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए प्लास्टिक के गिलास उपयोग ना करके स्टील के गिलास इस्तेमाल किए गए और कार्यक्रम के बाद पूर्ण सफाई कर दी गई।

सेवा भारती इकाई ने किया सिलाई-कटाई केंद्र का शुभारंभ

बरवाला। सेवा भारती इकाई बरवाला द्वारा वार्ड नं 01 जिले सिंह जाखड़ द्वारा दी गई सेवा कार्य के लिए जगह के प्रांगण में हवन यज्ञ करके सिलाई-कटाई केंद्र का शुभारंभ किया गया। यह हवन यज्ञ पुरोहित द्वारा हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पूरे मंत्रोच्चारण के साथ किया गया और इस हवन यज्ञ में उपस्थितजनों द्वारा आहुतियां डाली गईं।

खुशहाल व आनंदमय जीवन जीने के तरीके सीखे

हिसार। सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में चल रहा शांति जागरूकता ध्यान शिविर ध्यान को जीवन में अपनाने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान साधकों ने खुशहाल व आनंदमय जीवन जीने के उपाय सीखे। इस अवसर पर स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ध्यान का अभ्यास करवाया और उन्हें झूमने व नाचने का भी अवसर मिला।

स्वामी संजय ने कहा कि गुरु अपने शिष्य को चुनता है, ना कि शिष्य गुरु को। दरअसल शिष्य तो अंधकार से भरा होता है, तो वह गुरु कैसे चुन सकता है।

उकलाना में साइकिलिंग के प्रति लोगों को किया जागरूक

हर व्यक्ति साइकिल चलाए तो ईंधन बचेगा व राष्ट्र होगा मजबूत

स्कूलों में बच्चों को वाहनों की बजाय साइकिल से भेजें, साइकिलिंग खेल पहुंचेगा नई ऊंचाइयों पर: जगदीश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ उकलाना

उकलाना। कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ी व अतिथि। फोटो : हरिभूमि

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर भारत सरकार, साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया तथा हरियाणा राज्य साइकिलिंग संघ के सहयोग से जिला साइकिलिंग संघ की ओर से उकलाना में खेलो इंडिया महिला सिटी लीग एवं साइकिलिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 100 से अधिक महिला एवं पुरुष साइकिलिस्टों ने भाग लेकर स्वास्थ्य, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गुडविल हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गुलशन आहूजा ने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में साइकिल का उपयोग करे तो देश में ईंधन की बड़ी बचत संभव है। उन्होंने कहा कि साइकिल न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम है, बल्कि यह व्यक्ति को शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से भी सुदृढ़ बनाती है।

अस्मिता साइकिलिंग लीग के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में वरिष्ठ वर्ग में बोबुआ के अनुज ने स्वर्ण पदक जीता। पंडित कुलदीप भार्गव द्वितीय स्थान पर रहे, जबकि डॉ. शमी नागपाल ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

महिला वर्ग की इंडिविजुअल टाइम ट्रायल प्रतियोगिताओं में अंडर-10 में मीनाक्षी, अंडर-12 में दिशु, अंडर-14 में स्नेहा तथा अंडर-16 में तीजा ने स्वर्ण पदक जीते। सामूहिक रेस में हिमानी, काफी और दीपिका अपने-अपने वर्गों में विजेता रहीं।

बालक वर्ग की इंडिविजुअल टाइम ट्रायल प्रतियोगिताओं में अंडर-10 में कुश गोयल, अंडर-12 में गुरु मंगत तथा अंडर-14 में रवि ने स्वर्ण पदक हासिल किए। सामूहिक रेस में अंडर-16 में अमन, अंडर-14 में मंजीत, अंडर-12 में चिन्मय तथा अंडर-10 में जतिन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस प्रशासन एवं चिकित्सा विभाग की टीम ने सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी संभाली, जिससे आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समापन अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया तथा साइकिलिंग को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

नियमित साइकिलिंग प्रतियोगिताएं कराएं

जिला साइकिलिंग संघ हिसार के महासचिव जगदीश असीजा ने कहा कि केंद्र सरकार की अस्मिता साइकिलिंग लीग महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकारी विद्यालयों में बच्चों को वाहन किराए के स्थान पर साइकिल उपलब्ध करवाई जाए तथा नियमित साइकिलिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। उन्होंने कहा कि यदि बच्चों में प्रारंभ से ही साइकिलिंग की आदत विकसित की जाए तो भविष्य में साइकिलिंग खेल नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है और देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मिल सकते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर रामकिशन पातड़, साधुराम सिंगला, साइकिलिंग प्रशिक्षक हैप्पी असीजा, भीम बंसल, देव सिंह, राजकुमार गर्ग, सुनीता गर्ग, राज्य युवा पुरस्कार विजेता अमित कथूरिया, कोच हरदीप सिंह, कोच महावीर सिंह, आरजू थाकन, राजरानी गोयल, लक्ष्मी देवी, निर्मला बंसल, नरेश अग्रवाल, मुकेश गोयल, पार्षद प्रवीण गर्ग, बलराम बुम्बक, रणवीर सिंह, लवली बुम्बक, पार्षद लालचंद डुड्डी, सत्यवान, राजेंद्र वर्मा, दीपांशु स्केटर सहित अनेक खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

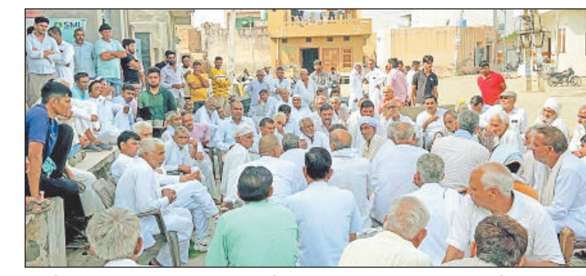

हांसी। भगाना गांव में पूर्व सैनिक की मौत के बाद पंचायत करते ग्रामीण।

पूर्व सैनिक सुसाइड मामला

भगाना में पंचायत ग्रामीणों ने रखी शर्त

- आरोपियों ने 4-5 करोड़ रुपये हड़पे, होटल तक बिकवा दिया
- पहले गिरफ्तारी, फिर पोस्टमार्टम, हाईवे जाम की चेतावनी दी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हांसी

पूर्व सैनिक सुंदर पंघाल की आत्महत्या के मामले में रविवार को उनके पैतृक गांव भगाना में पंचायत हुई। पूर्व सरपंच, मौजूदा सरपंच और ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक सुसाइड नोट में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाएंगे और न ही शव लेंगे।

पंचायत में ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि पुलिस ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन तेज होगा। जरूरत पड़ी तो हाईवे जाम भी किया जाएगा। ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल एसपी से मिलकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करेगा।

सुसाइड नोट में 4-5 करोड़ हड़पने का आरोप

63 वर्षीय पूर्व सैनिक सुंदर पंघाल ने शनिवार को हांसी के विकास नगर स्थित मकान में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला। घर से 8 पेज का एक और विस्तृत नोट भी बरामद हुआ है। इसमें मृतक ने मकान मालिक और उसकी पुत्रवधू पर 4 से 5 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सुंदर पंघाल ने आरोपियों को पैसे देने के लिए अपना होटल और अन्य संपत्तियां तक बेच दी थीं। लंबे समय तक रकम वापस मिलने की उम्मीद में प्रयास करते रहे, समाधान न निकलने पर आत्मघाती कदम उठाया।

एक और ग्रामीण ने लगाए 85 लाख ठगी के आरोप

पंचायत में गांव के अनूप खान ने भी आरोप लगाए। उन्होंने बताया कि उसी महिला ने उनसे जमीन बेचने के नाम पर करीब 85 लाख रुपये लिए थे। तीन साल पहले 49 कनाल 17 मरले जमीन का सौदा हुआ, लेकिन न जमीन नाम हुई, न पैसे वापस मिले। अनूप खान एक साल पहले कोर्ट भी जा चुके हैं।

नक्ष का भारतीय हैंडबॉल टीम में चयन, 10 से बांग्लादेश में खेलेगा आईएचएफ ट्रॉफी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

चौधरीवास गांव स्थित हिंदू पब्लिक स्कूल के छात्र नक्ष कसवां का चयन भारतीय हैंडबॉल टीम में हुआ है। नक्ष 10 से 14 जून तक ढाका में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित आईएचएफ प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। प्रतियोगिता की तैयारी के लिए भारतीय टीम का प्रशिक्षण शिविर 27 मई से रुद्रपुर में आयोजित किया गया था, जिसमें नक्ष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया। नक्ष की इस उपलब्धि से विद्यालय, गांव चौधरीवास, जिला हिसार तथा पूरे हरियाणा में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार ने नक्ष को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नक्ष के पिता अनूप कसवा, जो स्वयं महाबीर स्टेडियम, हिसार में हैंडबॉल कोच हैं, ने बताया कि नक्ष बचपन से ही हैंडबॉल के प्रति समर्पित रहा है और भारतीय टीम की जर्सी पहनकर देश का प्रतिनिधित्व करना उसका सपना था, जो अब साकार हुआ है। भारतीय हैंडबॉल टीम 9 जून को कोलकाता से बांग्लादेश के लिए रवाना होगी। पूरे क्षेत्र को नक्ष से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है और सभी उसकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय ने मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हिसार। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, हिसार और गरिमा फाउंडेशन के सौजन्य से हर वर्ष की तरह इस बार भी विश्वविद्यालय और कुम्हार धर्मशाला महम में एक भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस समारोह में इस वर्ष 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो. चांसलर डॉ पूनम. गोयल ने मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय में लगभग 510 और महम में 620 विद्यार्थियो ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से स्कॉलरशिप टेस्ट भी लिया गया जिसके सहयोग से विद्यार्थियों को सिर्फ आर्थिक मदद नहीं बल्कि यह उनके करियर और व्यक्तिगत विकास में एक बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। विश्वविद्यालय के गणमान्य अधिकारियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह दिए गए।

न्यूज डायरी

'हमारा प्यार हिसार' पेंटिंग अभियान जारी

हिसार। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के अपने सतत प्रयासों के तहत 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के पशु चिकित्सालय परिसर में पेंटिंग अभियान दूसरे रविवार भी जारी रखा। टीम ने परिसर में पुराने एवं अनुपयोगी टायरों को विभिन्न आकर्षक रंगों से पेंट करने का कार्य किया। इन टायरों का उपयोग परिसर की सजावट एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा दीवारों पर भी टेराकोटा पेंट किया गया। अभियान के दौरान सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए परिसर को स्वच्छ, सुंदर और प्रेरणादायक बनाने में योगदान दिया।

यह अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा।

नियमित ध्यान से पाएं मानसिक शांति

हिसार। समर्थगुरु धारा संघ के तत्वाधान में ध्यान साधना केंद्र में विशेष सुप्रभात ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन समर्थगुरु धारा संघ के आचार्य रविंद्र ने किया। आचार्य रविंद्र ने साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि सुप्रभात ध्यान मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित कर जीवन को स्थिरता और आंतरिक शांति की दिशा में ले जाता है। उन्होंने बताया कि प्रातःकाल का यह ध्यान अभ्यास एक अत्यंत प्रभावशाली साधना है, जो स्वस्थ, संतुलित और आनंदमय जीवन की नींव रखती है।

आचार्य रविंद्र ने समझाया कि सुप्रभात ध्यान का अर्थ है, भोर की शांत बेला में अपने भीतर उतरना।

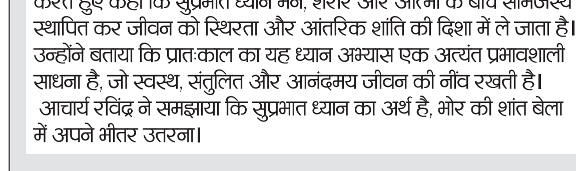

स्कूल में योग प्रोटोकल की रिहर्सल करवाई

नारनौंद। गांव बास के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए रविवार को सुबह योग प्रोटोकल की रिहर्सल करवाई गई। इसमें पतंजलि किसान सेवा समिति हांसी के जिला प्रभारी वेद प्रकाश आर्य व जिला सोशल मीडिया प्रभारी बिजेंद्र आर्य द्वारा योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। इस कार्यक्रम में बास ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार यादव मुख्य रूप से शिरकत की। वेद प्रकाश आर्य ने बताया कि आज पूरी दुनिया में योग किया जा रहा है। योग करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और आने वाली बीमारियों को नजदीक नहीं लगने देता इसलिए हर व्यक्ति को योग जरूर करना चाहिए। इसी को लेकर सरकार ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए तैयारी की जा रही है स्कूली छात्रों सहित अनेक सरकारी कर्मचारी हमारे योग शिविर कार्यक्रमों में भाग लेकर योग की बारीकियों को सीख रहे हैं।

योग प्रोटोकॉल में पहुंची कॉलेज की टीम

हिसार। 12वे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में शहर के ताऊ देवीलाल टाउन पार्क में योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा उपस्थित रहे। राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य सतीश सिंगला और अन्य स्टाफ सदस्य भी इस अवसर पर योग कार्यक्रम में भाग लिया और योग किया। प्राचार्य सतीश सिंगला ने बताया कि विश्व को योग हमारे भारत वर्ष की देन है। हमें योग को अपने जीवन में अपनाना चाहिए ताकि हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बल मिले। योग को केवल योग दिवस या किसी अन्य दिवस पर ही नहीं अपितु रोज करना चाहिए। रोज 20 मिनट का योग हमारी जीवनशैली को पूरी तरह बदल देता है।

घरेलू सिलेंडर के रेट 29 रुपये बढ़ाकर सरकार ने जनता की कमर तोड़ी : राजेन्द्र सोरखी

हांसी। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि सरकार ने आम उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और झटका देते घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में 29 रुपये की भारी बढ़ोतरी कर दी है। लगातार बढ़ रही महंगाई से देश और हरियाणा प्रदेश की जनता बुरी तरह परेशान है। आम आदमी पार्टी के हांसी जिला अध्यक्ष राजेन्द्र सोरखी ने कहा कि तीन माह में दूसरी बार सिलेंडर में बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले 7 मार्च को 60 रुपये की भारी बढ़ोतरी की गई थी। कुछ दिन पूर्व ही पेट्रोल-डीजल के दामों में भी बेतहाशा वृद्धि करके आम जनता की कमर तोड़ दी थी। आज हर वर्ग-किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी और मध्यम वर्ग-महंगाई की मार झेल रहा है। महंगाई का सीधा असर रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर पड़ रहा है। खाद्य पदार्थ, सब्जियां, दूध और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान को छू रहे हैं। गरीब आदमी का जीना ही मुश्किल होता जा रहा है। तीन महीने में सिलेंडर के दाम 89 रुपये बढ़ाकर केंद्र और प्रदेश की सरकार गरीबों के मुंह से निवाला छीनने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता को राहत देने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

आदमपुर में विकास की कमी नहीं रहने देंगे: पवार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ आदमपुर

पंचायत मंत्री एवं आदमपुर के प्रभारी कृष्ण पवार ने कहा है कि आदमपुर में विकास की कोई कमी ना रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आदमपुर को उन्होंने गोद ले रखा है और पहले भी आदमपुर के विकास के लिए 100 करोड रुपए मंजूर करवाए थे तथा आगे भी कोई कमी नहीं रहेगी। मंत्री कृष्ण पवार यहां की गोपी राम धर्मशाला में आयोजित बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बिना किसी भेदभाव के प्रदेश के सभी क्षेत्रों में विकास कार्य करवा रहे हैं तथा किसी भी क्षेत्र के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा है। आदमपुर के विकास के लिए भी करोड़ों रुपए मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 16 करोड़ भाजपा के कार्यकर्ता है तथा भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। पंचायत मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश में विपक्ष नाम की कोई चीज नहीं रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पूरे प्रदेश में एसआईआर का काम चल रहा है।

हवन के साथ हुआ बाल संस्कार शिविर का शुभारंभ

हिसार। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति एवं पतंजलि परिवार, हिसार द्वारा आयोजित 15 दिवसीय असिस्टेंट योग टीचर ट्रेनिंग कैंप तथा बाल संस्कार एवं चरित्र निर्माण शिविर का शुभारंभ रविवार को ठाकुरदास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हिसार में वैदिक मंत्रोच्चार, दीप प्रज्वलन, हवन-यज्ञ एवं योगाभ्यास के साथ हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के सचिव डॉ. जयदीप भार्गव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर भार्गव ने कहा कि योग, शिक्षा और संस्कार का समन्वय ही एक सशक्त, स्वस्थ एवं चरित्रवान समाज की नींव है। विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ जीवन मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ठाकुरदास भार्गव विद्यालय सदैव ऐसे राष्ट्रनिर्माण एवं व्यक्तित्व विकास के कार्यक्रमों के लिए समाजहित में अपना सहयोग देता रहेगा और आगे भी देता रहेगा। भारत स्वाभिमान न्यास के प्रांतीय प्रभारी ईश आर्य भी मुख्य रूप में उपस्थित रहे।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं : महिपाल ढांडा

हिसार। राज्य के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा है कि उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ बनाती है।

मंत्री महिपाल ढांडा रविवार को आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के तत्वावधान में चौधरी ताऊ देवी लाल टाउन पार्क में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रोटोकॉल कार्यक्रम में संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि योग समाज को नशामुक्त बनाने का एक प्रभावी माध्यम है। ऐसे में हमें योग को दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। कार्यक्रम का आयोजन 'हर घर योग, हर दिन योग' तथा 'योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा' के संकल्प के साथ किया गया, जिसमें हजारों नागरिकों एवं योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रेरणादायक | आठ लाख रुपये की लागत आई शेड बनवाने में

तपती गर्मी में सरकारी स्कूल की प्रार्थना सभा में बच्चों को खड़े देखा तो तीन भाइयों ने बनवा दिया शेड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौंद

गांव सीसर खरबला के सरकारी स्कूल के में इस तपती हुए गर्मी में जब छात्र प्रार्थना सभा में खड़े हुए थे तो गांव के लोगों ने देखा तो उनमें से एक समाजसेवी परिवार के तीन भाइयों का दिल पसीज गया। तभी उन्होंने ने मुख्य अध्यापक के पास संदेश भिजवाया की छात्रों के लिए प्रार्थना सभा के लिए मंच ओर उसके सामने शेड बनवा लो, जितना खर्च आएगा वह खुद वहन करेंगे। आठ लाख की लागत से यह सारा काम हो गया तो मुख्य अध्यापक को यह राशि उन्होंने भेंट कर दी। गांव के ही एक समाजसेवी ने दो लाख रुपए की लागत से मिड डे मिल कमरे के बाहर सेड बनवा दिया। ग्रामीणों के सहयोग से गांव के ही पढ़ने वाले छात्रों को सुविधा प्रदान की जा रही है।

नारनौंद। स्कूल के प्रिंसिपल बजरंग शास्त्री को नगद राशि भेंट करते हुए समाजसेवी नरेश गुणिया। फोटो : हरिभूमि

गांव सीसर खरबला के राजकीय उच्च विद्यालय में सरकार की तरफ काफी सुविधाएं उपलब्ध करवाई हुई हैं। स्कूल में ग्राउंड तो है लेकिन प्रार्थना सभा करवाने के लिए मंच और छात्रों के छांव में खड़ा होने के लिए सेड की सुविधा नहीं थी। स्कूलों की छुट्टियों से पहले इस भीषण गर्मी में सभी स्कूली छात्रों ओर अध्यापकों को प्रार्थना सभा के दौरान गर्मी में ही खड़ा होना पड़ता था। इस दौरान कुछ छात्रों को तो गर्मी के कारण चक्कर आने की घटना भी हो चुकी थी।

इस पर गांव के समाजसेवी तीन सगे भाई अमरचंद, सुरेश कुमार व अशोक शर्मा ने स्कूल के मुख्य अध्यापक बजरंग शास्त्री के पास संदेश पहुंचाया कि स्कूल में प्रार्थना सभा के लिए एक मंच और सामने जितना भी बड़ा सेड बनवाना है वह बनवा लो जो खर्चा आएगा वह खुद वहन करेंगे।

छात्रों का रुझान सरकारी स्कूल की तरफ बढ़ेगा

स्कूल के प्रिंसिपल बजरंग शास्त्री ने बताया कि स्कूल में कार्य करवाने के लिए इनका प्रस्ताव आया था। एसएमसी की मीटिंग में यह बातें रखी गई तो उसमें प्रस्ताव पास करके यह कार्य करवाने के लिए परमिशन दे दी गई क्योंकि स्कूली छात्रों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब स्कूल में काफी सुविधा हो गई है जिसके कारण पढ़ाई में भी कोई बाधा नहीं पहुंचेगी और गांव के अन्य छात्रों का रुझान भी सरकारी स्कूल की तरफ बढ़ेगा। ऐसी समाज से भी लोगों को स्कूल में एक कार्यक्रम करके सम्मानित भी किया जाएगा।

हेल्थ इंस्पेक्टर विनय सेतिया हुए सेवानिवृत्त

बरवाला। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कम उपमंडल नागरिक अस्पताल बरवाला के प्रांगण में विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सामुद्रिक स्वास्थ्य केंद्र कम उपमंडल नागरिक अस्पताल में हेल्थ इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत विनय सेतिया को सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में विदाई दी गई। डॉ. ज्ञानेंद्र ने बताया कि सेवानिवृत्त हेल्थ इंस्पेक्टर विनय सेतिया ने 27 साल 3 महीने 25 दिन तक स्वास्थ्य विभाग को अपनी सेवाएं दी। इन सेवाओं के दौरान विनय सेतिया ने अपनी ड्यूटी को पूरी ईमानदारी, कर्मठता व समय का पाबन्ध होकर निभाया और इन सेवाओं के दौरान विनय सेतिया ने कभी भी किसी भी प्रकार की शिकायत का मौका नहीं आने दिया। इस दौरान सेवानिवृत्त विनय सेतिया को पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह प्रदान करसम्मानित किया ।

खबर संक्षेप

नीट पेपर लीक मामले की न्यायाधीश से हो जांच

हिसार। अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय चेयरमैन एमएल सहगल ने कहा है कि नीट का पेपर लीक होना, सीबीएसई की पेपर मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल खड़े होना सहित अन्य परीक्षाओं में धांधली होने के चलते देश का युवा वर्ग का भविष्य दांव पर लग गया है। इसके चलते युवाओं में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी को सोशल मीडिया पर मिला समर्थन इसी का परिणाम है। एमएल सहगल ने कहा कि यूपी में अनेक परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। सरकारी नौकरियों की भर्ती के नाम पर सरकार फीस से अपना खजाना भर लेती है, लेकिन पेपर लीक होने पर परीक्षाएं रद्द हो जाती हैं, जिसके चलते युवाओं का मनोबल टूट जाता है। सहगल ने सरकार से मांग की है कि नीट पेपर लीक मामले की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश से जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

चानौत और हांसी को उनके हक का पानी मिले

हांसी। गांव चानौत में पिछले 22 दिनों से अपने हक के पीने के पानी की मांग को लेकर ग्रामीण धरने पर बैठे हुए हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि गांव की महिलाएं भी भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर हैं। यह बात हिसार ग्रामीण यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सोविन भाटला ने हांसी में पत्रकारों से बातचीत में कही। सोविन भाटला ने कहा कि चानौत गांव के ग्रामीण कोई अनुचित मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने अधिकार के पीने के पानी की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांव की माताओं-बहनों का भूख हड़ताल पर बैठना इस बात का प्रमाण है कि सरकार और प्रशासन जनता की मूलभूत समस्याओं के प्रति कितने असंवेदनशील हो चुके हैं। यदि समय रहते समाधान नहीं किया गया तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार,प्रशासन और स्थानीय विधायक विनोद भयाना जी की होगी। सोविन भाटला ने कहा कि भाजपा सरकार और स्थानीय विधायक विनोद भयाना जनता की समस्या का समाधान करने की बजाय उन्हें गुमराह करने का काम कर रहे हैं। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को 22 दिनों तक धरने पर बैठना पड़े।

महंगाई ने गृहिणियों की कमर तोड़ीः श्योराण

हिसार। जननायक जनता पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष सुमन श्योराण ने बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आज आम आदमी का जीवन संकट में आ गया है। लगातार बढ़ रही पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों ने आमजन की जेब पर भारी बोझ डाल दिया है, जिसका सबसे अधिक असर महिलाओं की रसोई पर पड़ा है। सुमन श्योराण ने कहा कि रसोई गैस, खाद्य तेल, दालें, सब्जियां तथा रोजमर्रा की जरूरत की अन्य वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का सीधा प्रभाव परिवहन खर्च पर पड़ता है, जिसके कारण बाजार में पहुंचने वाली प्रत्येक वस्तु महंगी हो जाती है। परिणामस्वरूप गृहिणियों के लिए सीमित बजट में घर का खर्च चलाना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। महिलाओं के हितैषी होने का दावा करती है और विभिन्न योजनाओं के नाम पर उन्हें लाभ पहुंचाने की बात करती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

बरसात से पहले सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन सक्रिय

नालों से सीवरेज में जाने वाले कचरे को रोकने के लिए लगेंगी जालियां : सरीन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

बरसात के मौसम के मद्देनजर शहर की सीवरेज एवं जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। अतिरिक्त उपायुक्त एवं डीएमसी लक्षित सरीन ने नगर परिषद अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नालों को सीवरेज लाइनों से जोड़ने वाले सभी महत्वपूर्ण प्वाइंटों पर जालियां लगाई जाएं, ताकि पॉलिथीन, प्लास्टिक, बोतलें तथा अन्य ठोस कूड़ा-करकट सीवरेज लाइनों में प्रवेश न कर सके और सीवरेज जाम होने की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

एडीसी लक्षित सरीन ने बताया कि नगर परिषद द्वारा शहर में ऐसे लगभग एक दर्जन प्वाइंट चिन्हित किए गए हैं जहां नालों का पानी सीवरेज लाइनों में जाता है। इससे नाले जाम हो जाते हैं।

हांसी। शहर में सुपर सकर मशीन से सीवरेज लाइनों की सफाई करवाते नगर परिषद के सफाई निरीक्षक संजय कुमार। *फोटो : हरिभूमि*

आज से शुरू होगा कार्य

इन सभी स्थानों पर जाली लगाने का कार्य सोमवार से शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण के दौरान यदि अन्य उपयुक्त स्थान सामने आते हैं तो उनकी संख्या बढ़ाई भी जा सकती है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बरसात के दौरान सीवरेज लाइनों में ठोस कचरे के प्रवेश को रोकना तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखना है।

एडीसी ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि नालों के माध्यम से पॉलिथीन और अन्य ठोस अपशिष्ट सीवरेज लाइनों में पहुंच जाते हैं, जिससे लाइनें अवरुद्ध हो जाती हैं और बरसात के समय जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। जाली लगाए जाने से इस समस्या में काफी हद तक कमी आएगी तथा सीवरेज प्रणाली की कार्यक्षमता में सुधार होगा। एडीसी ने नगर परिषद अधिकारियों को सीवरेज लाइनों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार एवं शनिवार को सुपर सकर मशीन के माध्यम से शहर की सीवरेज लाइनों की सफाई की जाएगी। इसी क्रम में विगत शुक्रवार और शनिवार को भी सुपर सकर मशीन द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सीवरेज लाइनों की सफाई का कार्य किया गया है।

आदमपुर। संत आश्रम की नीव रखते हुए जनप्रतिनिधि व समाजसेवी।

ब्रह्मलीन गो ऋषि स्वामी राजेंद्रानंद की पावन स्मृति में संत आश्रम की नींव रखी

हरिभूमि न्यूज ⏭ आदमपुर

गांव आदमपुर स्थित श्री गुरु जम्भेश्वर मंदिर पूर्वी में ब्रह्मलीन गौ ऋषि स्वामी श्री राजेंद्रानंद जी महाराज की पावन स्मृति में बनने वाले संत आश्रम की नींव रखी गई। यह संत आश्रम जिला पार्षद वीर सिंह राहड़ के सहयोग से लगभग 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए जिला पार्षद वीर सिंह ने कहा कि कहा कि ब्रह्मलीन गोऋषि स्वामी श्री राजेंद्रानंद जी महाराज का सपना था कि श्री गुरु जंभेश्वर मंदिर परिसर में एक सुंदर, विशाल एवं सुविधायुक्त संत आश्रम का निर्माण हो, जहां संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को ठहरने और धार्मिक गतिविधियों के संचालन की बेहतर व्यवस्था मिल सके।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रधान दलीप राहड़, सरपंच कपिल खिचड़, सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप जाणी, जिला पार्षद प्रतिनिधि महेंद्र साहू, भूप सिंह थालौड़, सुरजीत खदाव, संजय बागड़वा, पवन सहायक, बलकार पुजारी, मंदिर पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने की पद्धति

योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर : विनोद भयाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में एसडी महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी मुख्य अतिथि रहे जबकि विधायक विनोद भयाना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर योगाभ्यास किया।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी व विधायक विनोद भयाना ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन ने मुख्य अतिथि कृष्ण बेदी तथा विधायक विनोद भयाना को तुलसी का पौधा भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। योगाचार्य कुलदीप, शेखर एवं संजना ने उपस्थित जनसमूह को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं योगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाते हुए उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने अपने संबोधन में कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत है, जिसने पूरी दुनिया को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है और करोड़ों लोग योग को अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। कृष्ण बेदी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने वाली एक संपूर्ण जीवन पद्धति है। योग मानसिक तनाव को कम करता है।

हांसी। योगाभ्यास करते कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, उनके साथ हैं विधायक विनोद भयाना व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, एसडीएम राजेश खोथ, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की संपदा अधिकारी आंचल भास्कर, डीएसपी रविंद्र सांगवान, डॉ. सुमित बेरवाल, डॉ. मोनिका, सतवीर, डॉ. रामेहर ,डीपी सोमवीर कलकल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

'खेत बचाओ अभियान' के तहत होंगे जागरूकता कार्यक्रम

हिसार। केन्द्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में किसानों के लिए जून मास के दौरान 'जन-जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किए जाएंगे। इस अभियान का उद्देश्य कृषि भूमि की उर्वरता बनाए रखना, उत्पादन लागत कम करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

- विश्वविद्यालय सहित सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में होंगे कार्यक्रम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक एवं असंतुलित उपयोग के कारण मृदा क्षरण, मृदा कार्बन में कमी, पोषक तत्वों का असंतुलन तथा जल प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौतियां सामने आ रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए किसानों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर प्रेरित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान हरियाणा के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा गांव स्तरीय बैठकें, किसान गोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेत दिवस, रैलियां तथा जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड आधारित उर्वरक प्रबंधन, संतुलित पोषण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ खेती की तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

हिसार। भ्रमण पर गया विज्डम स्कूल का दल। *फोटो : हरिभूमि*

विज्डम स्कूल के छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण में अर्जित किया ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

विज्डम स्कूल की ओर से आयोजित पांच दिवसीय शैक्षिक एवं साहसिक भ्रमण के अंतर्गत विद्यालय के 50 विद्यार्थियों एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के दल ने मनाली और उसके आसपास के प्रमुख स्थलों का सफल भ्रमण किया। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उनके व्यक्तित्व एवं जीवन कौशल का विकास करना था। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने अटल टनल, सोलंग वैली, सिस्सू, हिडिम्बा देवी मंदिर, स्थानीय जलप्रपातों एवं मनाली के अन्य प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। बच्चों को यात्रा पर निकलने से पूर्व डायरी और पेन साथ रखने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे भ्रमण के दौरान प्राप्त होने वाली नई जानकारियों, अनुभवों, ऐतिहासिक तथ्यों, भौगोलिक विशेषताओं तथा प्रकृति से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को स्वयं लिख सकें। प्राकृतिक वातावरण में रहकर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भी समझा।

सीखने का मिलता है अवसर

विद्यालय की प्रधानाचार्या नीलम पिलानिया ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों ने इस यात्रा के माध्यम से न केवल विभिन्न स्थानों के बारे में जानकारी प्राप्त की, बल्कि अपने अनुभवों को डायरी में दर्ज कर उन्हें एक स्थायी सीख के रूप में भी संजोया। यह प्रक्रिया विद्यार्थियों में जिज्ञासा, शोध प्रवृत्ति और अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ावा देती है। विद्यालय संचालक हरिपाल पिलानिया ने बताया कि यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन, जिम्मेदारी और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस भ्रमण ने बच्चों के संचार कौशल, सामाजिक कौशल, नेतृत्व क्षमता, पर्यवेक्षण क्षमता तथा जीवन कौशल को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोदी के नेतृत्व में भारत का विश्व में सम्मान बढ़ा : डॉ. आशा खेदड़

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के सब्जी मंडी मंडल की ओर से आत्मनिर्भर समूह की बैठक वार्ड-3 की पार्षद ज्योति वर्मा के आवास पर हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने मुख्य अतिथि रही और कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक विषयों पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और विश्व समुदाय में उसका सम्मान बढ़ा है। डॉ. खेदड़ ने कार्यकर्ताओं को एसआईआर अभियान, 'मन की बात' कार्यक्रम एवं अन्य संगठनात्मक गतिविधियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया बैठक की अध्यक्षता सब्जी मंडी मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा ने की। इस अवसर पर मंडल प्रभारी संजीव रेवड़ी, मंडल महामंत्री कृष्ण सरसाना, जिला प्रवक्ता पीयूष मेहता, मंडल महामंत्री अनुज जैन, सुशील सैनी, मंडल उपाध्यक्ष सुरेश गोयल, सुभाष शर्मा, उमेद खन्ना, सुनील वर्मा, मंडल सचिव लवली राजपाल, आनंद सैनी, मंडल सोशल मीडिया प्रभारी अतुल बांगा, हिसार विधानसभा सोशल मीडिया सह-संयोजक भानु सिंघल एवं कपिल सैनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अवैध देसी शराब की 12 बोतल के साथ एक युवक गिरफ्तार

हांसी। बस स्टेंड पुलिस चौकी ने नहर पुल तोशाम रोड पर नाकाबंदी के दौरान 12 बोतल अवैध देसी शराब सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान भिवानी जिले के गांव बड़सी निवासी सुंदर के रूप में हुई है। उप निरीक्षक जोगिंदर ने बताया कि गश्त के दौरान संदिग्ध हालत में आ रहे बाइक सवार को रोका गया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान बड़सी निवासी सुंदर सिंह के रूप में बताई। बैग की तलाशी लेने पर 12 बोतल देसी शराब मार्का 'मस्ती माल्टा' बरामद हुई। आरोपी कोई लाइसेंस या परमिट नहीं दिखा सका। पुलिस ने नमूना लेकर शराब और बाइक कब्जे में ले ली।

हिसार में अवैध शराब सहित एक काबू, 13 बोतल शराब बरामद : सिविल लाईन पुलिस ने आधार अस्पताल के पास से अवैध शराब सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी के कब्जे से 13 बोतल अवैध शराब बरामद की गई है। सिविल लाइन थाना प्रभारी पीएसआई कर्मजीत ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान गंगवा निवासी नरेन्द्र के रुप में हुई है।

साइकिलिंग स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक : प्रो. कम्बोज

- हकृवि एवं साईं ने साइकिल रैली में लोगों ने बढ़चढ़कर भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को साईकिल रैली का आयोजन किया गया।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (साईं) व हकृवि द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित की गई इस रैली में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर जबकि विजय कुमार मनचंदा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि साइकिल केवल एक साधन नहीं है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास का प्रतीक है। बढ़ते प्रदूषण, यातायात की समस्या और वर्तमान जीवनशैली में साइकिल एक सरल, सुलभ और प्रभावी समाधान प्रस्तुत करती है। नियमित रूप से साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, हृदय मजबूत रहता है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति अधिक ऊर्जावान महसूस करता है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का सबसे अच्छा साधन है। यदि हम छोटी-छोटी दूरियों के लिए साइकिल का उपयोग करें, तो ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

हिसार। साइकिल रैली में उपस्थित कुलपति व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

वन्य जीवों की तस्करी एवं शिकार पर शिकंजा

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए भिवानी के गांव रामबास निवासी अनिल व सुनील कुमार को जांच में शामिल किया है। पुलिस के अनुसार आजाद नगर पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपियों द्वारा अपने खेत बाडया जाटान में करंट की तार लगाने पर चार नील गायों की मौत हो गई है। मामले में जांच के दौरान आरोपियों को जांच में शामिल कर वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

हिसार। बच्चों को सम्मानित करते अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

रंगोत्सव -2026 का समापन, बच्चों की प्रतिभा ने सभी को किया प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

आकार वेलफेयर सोसायटी की ओर से आयोजित आठ दिवसीय निःशुल्क समर आर्ट कैंप रंगोत्सव–2026 का समापन समारोह ओपी जिंदल ज्ञान केंद्र पार्क में हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी जगदीश जिंदल उपस्थित रहे। उनके साथ ललित शर्मा, पार्षद जगमोहन मित्तल तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मुख्य अतिथि जगदीश जिंदल एवं डॉ. जगबीर सिंह ने बच्चों द्वारा पिछले सात दिनों में बनाई गई पेंटिंग्स, स्केच, क्राफ्ट एवं अन्य कलाकृतियों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सभी प्रतिभागी बच्चों को संस्था की ओर से प्रमाण-पत्र एवं स्टेशनरी किट प्रदान की गई। कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों एवं स्वयंसेवकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में बड़ी संख्या में बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी उपस्थित रहे, जिससे ज्ञान केंद्र पार्क का वातावरण एक उत्सव एवं मेले जैसा दिखाई दिया। संस्था के प्रधान सुमित सैनी ने इस सफल आयोजन के लिए पूरी आयोजन टीम, प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों, प्रतिभागी बच्चों, अभिभावकों, अतिथियों एवं सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बच्चों की रचनात्मकता की सराहना

बच्चों की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि कला व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बच्चों को सोशल मीडिया और मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से दूर रहकर अपनी प्रतिभा को विकसित करने की सलाह दी। अतिथियों ने आकार वेलफेयर सोसायटी के इस प्रयास की भी प्रशंसा की और कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक मूल्यों का विकास करते हैं।

विभाग के गोदाम से गेहूं चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हिसार। उकलाना पुलिस ने खाद्य आपूर्ति विभाग के गोदाम से गेहूं चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा गेहूं बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान उकलाना के आजाद नगर निवासी विजय के रूप में हुई है। उकलाना थाना प्रभारी पीएसआई कुलदीप ने बताया कि इस संबंध में बवानीखेड़ा निवासी एवं खाद्य आपूर्ति विभाग के निरीक्षक नफे सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार गत 6 जून को किसी ने गेहूं चोरी कर ली। शिकायत के अनुसारर इससे पूर्व भी उकलाना के इस गोदाम से 10 कट्टे गेहूं चोरी कर लिए गए। शिकायत पर केस दर्ज करके जांच करते हुए पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर विजय को गिरफ्तार करके उसके कब्जे से चोरीशुदा गेहूं भी बरामद कर ली गई।

हिसार। कैडेट्स को जानकारी देते हुए अधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

कैडेट्स को दी आत्मरक्षा एवं साइबर सुरक्षा की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

थर्ड हरियाणा बटालियन एनसीसी के कैंप कमांडेंट कर्नल सुनील कटारिया के नेतृत्व में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत रॉयल सैनिक विद्यापीठ, रावलवास में प्रथम सत्र में रोहताश कुमार ने कैडेटों को आत्मरक्षा विषय पर संबोधित किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में आत्मरक्षा केवल महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक कौशल बन चुकी है। उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों, मानसिक सतर्कता, आत्मविश्वास तथा संकट की स्थिति में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में एएसआई कमल सिंह ने यातायात नियमों एवं साइबर सुरक्षा विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश दुर्घटनाएं यातायात नियमों की अनदेखी के कारण होती हैं। कैडेट्स को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे की अवस्था में वाहन न चलाने को प्रेरित किया।